मोरछड़ी लहराई रे,
रसिया ओ सांवरा,
तेरी बहुत बड़ी सकलाई रे।।

तर्ज पंख होते तो उड़ आती रे।

मोरछड़ी का जादू निराला,
इसको थामे है खाटूवाला,
लीले चढ़कर दौड़ा ये आए,
सारे संकट पल में मिटाए,
रसिया ओ सांवरा,
तेरी बहुत बड़ी सकलाई रे ॥१॥

मोर-छड़ी लहराई रे,
रसिया ओ सांवरा,
तेरी बहुत बड़ी सकलाई रे।।

श्याम बहादुर दर्शन को आए,
ताले मंदिर के बंद पाए,
मोरछड़ी से तालो को तोड़ा,
शीश झुका कर बाबा को बोला,
रसिया ओ सांवरा,
तेरी बहुत सकलाई रे ॥२॥

मोर-छड़ी लहराई रे,

रसिया ओ सांवरा,
तेरी बहुत बड़ी सकलाई रे।।

मोरछड़ी की महिमा है भारी,
श्याम धणी को लागे ये प्यारी,
हर्ष कहे रोतो को हसाएँ,
सारे संकट पल में मिटाए,
रसिया ओ सांवरा,
तेरी बहुत बड़ी सकलाई रे ॥३॥

मोर-छड़ी लहराई रे,
रसिया ओ सांवरा,
तेरी बहुत बड़ी सकलाई रे।।

मोरछड़ी लहराई रे,
रसिया ओ सांवरा,
तेरी बहुत बड़ी सकलाई रे।।

स्वर मुकेश बागड़ा।
प्रेषक सम्पूर्ण बड़ोले।

॥ जय श्री श्याम ॥
॥ जय श्री कृष्ण ॥

Source: https://www.bharattemples.com/mor-chadi-lehrai-re-in-hindi/

Bharat Temples

Complete Bhajans Collections - Download Free Android App
https://play.google.com/store/apps/details?id=com.numetive.bhajans

Facebook: https://www.facebook.com/bharattemples/
Telegram: https://t.me/bharattemples
Youtube: https://www.youtube.com/channel/UC24oJCxZJyhhKzSUD-Lt9Tw